आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

IFTM University, Moradabad, Uttar Pradesh

NAAC ACCREDITED

E-Content

IFTM University, Moradabad

Master of Social Work
Sub- Family And Child Welfare
Paper Code – MSW 314
Topic - Family and Child Welfare
परिवार एवं बाल कल्याण

Unit 1- Family and Child Welfare as a field of Social Work, Scope of Family and Child Welfare

Dr Alka sharma
Deptt of Sociology & Social Work
School of Social Sciences

Family and Child Welfare
परिवार एवं बाल कल्याण

महिला एवं परिवार कल्याण समाजकार्य समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करता है समाज कार्य की दृष्टि में बालक एवं महिला तथा परिवार कल्याण भी कार्य करने के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं इसके लिए समाज कार्य संस्थाओं के द्वारा बच्चों महिला तथा परिवार कल्याण से संबंधित विशिष्ट प्रकार की सेवाओं का संचालन किया जाता है तथा उनके शारीरिक मानसिक एवं आर्थिक कल्याण के लिए कार्य किया जाता है।

समाज कार्य के द्वारा बालकों एवं महिला तथा परिवार के लिए मनोरंजन संबंधित तथा शारीरिक विकास संबंधित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है तथा आर्थिक सुरक्षा मानसिक एवं शारीरिक सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से सामान्य एवं विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।

Child Welfare
बाल कल्याण

विकास दरअसल मानव शरीर में होने वाले परिवर्तनों का एक क्रम है जो मानव के जन्म से प्रारंभ होकर मृत्यु उपरांत तक चलता रहता है मानव कल्याण का अध्ययन मनोविज्ञान के अंतर्गत किया जाता है उसे प्रारंभ में बाल मनोविज्ञान तथा बाद में बाल कल्याण कहा जाने लगा।

हशर्लॉक के अनुसार, " आज बाल कल्याण में मुख्यतः बालक के व्यवहार रुचिओं में होने वाले उन पर विशिष्ट परिवर्तनों की खोज पर बल दिया जाता है जो उसके एक विकासात्मक अवस्था से दूसरी विकासात्मक अवस्था में पदार्पण करते समय होते हैं। यह परिवर्तन कब होते हैं, इसके क्या कारण हैं, और यह व्यक्तिक हैं या सार्वभौमिक आदि ज्ञात किया जाता है। "

जेस्टन ड्रवर व क्रो और क्रो के अनुसार, " बाल मनोविज्ञान वह वैज्ञानिक अध्ययन है जो व्यक्ति के विकास का अध्ययन गर्भकाल के प्रारंभ से किशोरावस्था की प्रारंभिक अवस्था तक करता है।"

बाल कल्याण में रुचिओ के परिवर्तन का अध्ययन किया जाता है बाल विकास में रुचिओं से संबंधित निम्न समस्याओं का अध्ययन किया जाता है ----

- विकास की विभिन्न अवस्थाओं में रुचियां किस प्रकार विकसित होती हैं?
- भिन्न-भिन्न रुचियों का विकास किन-किन अवस्थाओं में और कब प्रारंभ होता है ?
- भिन्न-भिन्न अवस्थाओं में रुचिओ के विकास के क्या-क्या कारण हैं ?
- किन किन विषयों का विकास व्यक्तिगत है और किन किन राज्यों का विकास सार्वभौमिक परिवर्तनों के रूप में होता है?
- क्या रुचियां का विकास हमेशा रचनात्मक ही होता है अथवा हास सूचक भी होता है ?
- विभिन्न राज्यों के विकास की गति और दिशा क्या है?

Scope Problems of Child Welfare
बाल कल्याण का क्षेत्र और समस्याएं

बाल कल्याण के क्षेत्र में गर्भावस्था से युवावस्था तक के मानव की सभी व्यवहार संबंधी समस्याएं सम्मिलित है इस अवस्था के सभी मानव व्यवहार संबंधी समस्याओं के अध्ययन में विकासात्मक दृष्टिकोण मुख्य रूप से अपनाया जाता है।

कारमाइकल बालविकास समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा है कि बाल मनोवैज्ञानिक मुख्यतः निम्न समस्याओं का अध्ययन करते है ----

- ❖ विकासशील मानव की मौलिक प्रक्रिया और गतिशीलता।
- ❖ बालक का वातावरण पर प्रभाव।
- ❖ वातावरण का बालक पर प्रभाव।
- ❖ विकासात्मक प्रक्रियाओं का क्रमिक समकालीन वर्णन
- ❖ विकासात्मक प्रक्रियाओं की दीर्घकालीन प्रणाली द्‍वारा वर्णन।
- ❖ व्यक्ति का किसी भी आयु स्तर पर मापन।
- ❖ व्यक्ति का संपूर्ण पृष्ठ भूमि में उसका जेनेटिक लेखा-जोखा प्राप्त करना।

Meaning of Women Welfare
महिला कल्याण का अर्थ

महिला कल्याण के अंतर्गत वे सब कार्यक्रम आते हैं जो महिलाओं की विशेष समस्याओं के निवारण उनके पिछड़ेपन को दूर करने तथा उनके आर्थिक एवं सामाजिक स्तर एवं स्थिति को उन्नत करने की दृष्टि से आयोजित किए जाते हैं। आर्थिक पराधीनता से स्वतंत्रता सामाजिक रूढ़ियों और परंपराओं से मुक्ति एवं सामाजिक संरचना में परिवर्तन एवं पुनर्गठन महिला कार्यक्रम के मुख्य पक्ष हैं।

Objective of Women Welfare
महिला कल्याण के उद्देश्य

महिला कल्याण कार्यक्रम का एक मुख्य उद्देश्य उनकी इसको स्थिति को फिर से समाज में प्रतिस्थापित करना है। दूसरा उद्देश्य राष्ट्रीय विकास में उनकी भूमिका स्थान से संबंधित हैं जैविक दृष्टिकोण से भी महिलाओं की अपनी विशेष स्थिति और समस्याएं होती हैं ऐसे अवसर और कार्यक्रमों का आयोजन करना जिससे न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महिलाओं को समान स्तर और समानता प्रदान की जा सके

Family Welfare
परिवार कल्याण

परिवार मानव जीवन की मूलभूत इकाई है वर्तमान सामाजिक परिवर्तन की धारा ने इसको भी चपेट में लिया है और इसके अनेक कार्य अन्य संस्थाएं करने लगी हैं परंपरागत परिवारों में पूर्व निर्धारित मूल्यों का वाहन आज भी होता है परंतु जब उन्हें उतनी आस्था नहीं रह गई जिसके कारण सदस्यों के पारस्परिक सामंजस्य एवं कार्य पद्धति में रुकावटें उत्पन्न हो गई हैं सामाजिक व्यक्तिक समाज कार्य ऐसी स्थिति में परिवारों की सहायता सदस्यों की समायोजन संबंधी समस्याओं में करता है कार्यकर्ता अनेकानेक चिकित्सकीय विधियों के आधार पर सदस्यों की स्थिति एवं भूमिका को समझने एवं उसके अनुसार कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

Conclusion
निष्कर्ष

बालक किसी भी समाज का भविष्य होते हैं इसलिए उनके विकास का उत्तरदायित्व भी समाज पर ही होता है कुछ विशिष्ट वर्ग के बालकों की मानसिक शारीरिक एवं भावनात्मक विकास की आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पाती हैं कुछ बालकों को केवल कोमल अवस्था में ही कठोर श्रम भी करना पड़ता है जिससे उनका संपूर्ण विकास बाधित हो जाता है। अतः समाज कार्य के द्‌वारा बालकों की विशिष्ट आवश्यकता एवं समस्याओं को समझते हुए विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान की जाती हैं। जिनमें संरक्षण प्रदान करना, आश्रय प्रदान करना तथा शारीरिक विकास के लिए सेवाओं का संचालन किया जाता है।

इसी प्रकार महिला भी समाज का एक विशिष्ट वर्ग होती हैं तथा परिवार के संचालन का भी उत्तरदायित्व महिलाओं पर ही होता है। इस रूप में उनकी आवश्यकताएं भी अलग एवं विशिष् होती हैं।अतः समाज कार्य के द्‌वारा महिलाओं की विशिष्ट सामाजिक सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्थिति के अनुरूप कल्याणकारी सेवाओं का संचालन समाज कार्य के द्‌वारा किया जाता है।

References
संदर्भ सूची

अहमद रफी उद्दीन मिर्जा ,समाज कार्य दर्शन एवं प्रणालियां, शाइनिंग प्रेस लखनऊ, 2004.

सिंह, सुरेंद्र ,पीढ़ी मिश्र, समाज कार्य : इतिहास , दर्शन एवं प्रणालियां , न्यू रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ ,2010.

मदन जी आर ,अमित अग्रवाल ,परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र , विवेक प्रकाशन , दिल्ली, 2012.

Thank you